पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:16.01.2022 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-38 अंक-16 माद्य-2078 दयानन्दाब्द 198 16 जनवरी से 31 जनवरी 2022 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.01.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 336वां वेबिनार सम्पन्न

गोवा में भव्य वैदिक सत्संग सम्पन्न

वेद सृष्टि का पुरातन ज्ञान है –आचार्य आर्य नरेश जी

रविवार 2 जनवरी 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में होली क्रॉस कॉलोनी, चिकालिम,गोवा में भव्य वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। वैदिक विद्वान आचार्य आर्य नरेश जी ने यज्ञ करवाया। उन्होंने कहा कि वेद सृष्टि का पुरातन ज्ञान है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम व श्री कृष्ण की संस्कृति को घर घर पहुंचाने की आवश्यकता है। दोनों महापुरुष हमारे आदर्श है उनका चरित्र प्रेरणा दायक है। मानवता के नाते सभी बराबर है इंसानियत के भाई चारे के संदेश को फैलाना है। आर्य समाज मानवमात्र की उन्नति की कामना करता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने की आवश्यकता है जिससे वह अपनी जड़ो से जुड़े रहे। अपने गौरव शाली इतिहास पर गर्व करना चाहिए। दिल्ली से पधारी प्रवीन आर्या ने मधुर भजन सुनाये। आर्य नेता प्रेमप्रकाश शर्मा ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने अंधकार के वातावरण में नयी आशा का संचार किया व प्रेम स्वरूप आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर आर्यन अग्रवाल, किरण पटेल,अंकिता पटेल, शिवम यादव,सरिता आर्या,नेहा आर्या,आस्था आर्य आदि उपस्थित थे।

'कोरोना का नया वायरस' पर गोष्ठी सम्पन्न

मास्क, हाथ धुलाई व नमस्ते से करे ओमिक्रोन से मुकाबला –डॉ. सुनील रहेजा (एम एस, जीबी पंत अस्पताल)

बुधवार 29 दिसम्बर 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'कोरोना का नया वॉयरस' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 334 वां वेबिनार था। डॉ. सुनील रहेजा (एम एस,जी बी पंत अस्पताल,नई दिल्ली) ने कहा कि जैसे हमने दो बार कोरोना का मुकाबला किया है वैसे ही अब तीसरी बार भी धैर्यपूर्वक बचाव व मुकाबला करना है। हमें घबराना नहीं है अपितु सावधानी बरतनी है। मास्क अवश्य पहने,सोशल डिस्टेंस रखें यानी दूर से नमस्ते ही करें, सेनिटाइज करते रहे लेकिन साबुन से हाथ अच्छी तरह धोते रहें। **(शेष पृष्ठ 4 पर)**

पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक पर बवंडर स्वाभाविक

– अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा में सुरक्षा चूक का मामला जिस तरह के राजनीतिक बवंडर का विषय बना है उसमें आश्चर्य का कोई कारण नहीं। ऐसी घटना कभी भी होती तो मामला विवाद का विषय बनता ही। इसके पहले शायद ही ऐसी कोई घटना हुई हो जब प्रधानमंत्री का काफिला अपने गंतव्य तक जाने की बजाए इस तरह वापस लौटा हो तथा उनके रैली रद्द होने के पीछे सुरक्षा चूक का कारण बताया गया हो। कांग्रेस द्वारा इसे राजनीति का विषय बनाना खतरनाक है। उल्टा कटाक्ष करते हुए कहा है कि फिरोजपुर रैली में लोग आए नहीं इसलिए प्रधानमंत्री ने सुरक्षा चूक का बहाना बनाकर रद्द कर दिया। चुनाव के मौसम में किसी पार्टी पर इस तरह का आरोप लगाना स्वाभाविक है पर इसमें प्रधानमंत्री की सुरक्षा का गंभीर पहलू जुड़ा हुआ है ,इसलिए इसे राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए। भारत में महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार प्रश्न उठाए जाते हैं और आमजन की परेशानियों को देखते हुए समय–समय पर विरोध और विवाद का विषय भी बनता है। किंतु भारत में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल निर्धारित हैं और सरकारों को उसी अनुसार व्यवस्था करनी पड़ती है। प्रश्न है कि पंजाब प्रशासन ने प्रधानमंत्री के प्रोटोकॉल के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था की थी या नहीं?

कांग्रेस का दावा है कि उसने फिरोजपुर रैली का ध्यान रखते हुए 10 हजार पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया था। अगर इतनी पुलिस प्रधानमंत्री की सुरक्षा में लगी थी तो वह दिखनी भी चाहिए। पंजाब पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बठिंडा में एयरफोर्स स्टेशन भिसियाना में उतरना था और वे वहीं उतरे। वहां से उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा आकाश मार्ग से हुसैनीवाला जाना था जहां वे शहीद स्मारक में शहीद भगत सिंह सहित अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते। वहीं से उन्हें रैली के लिए हेलीकॉप्टर से ही फिरोजपुर पहुंचना था। मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर का उड़ना जोखिम भरा था ।इसलिए कुछ देर प्रतीक्षा के बाद सड़क मार्ग से जाने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तित्व की यात्रा में हमेशा वैकल्पिक मार्ग की भी सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। जैसा गृह मंत्रालय ने बताया है सड़क मार्ग से जाने का निर्णय पंजाब के पुलिस महानिदेशक एवं गृह सचिव के कहने पर लिया गया। स्वभाविक है एसपीजी ने सुरक्षा व्यवस्था के बारे में निश्चित गारंटी मिलने पर ही इसे स्वीकार किया होगा। प्रधानमंत्री का काफिला गुजरने का अर्थ था कि पुलिस को रास्ता साफ करना चाहिए था। फिरोजपुर जिले के मुदकी के पास नेशनल हाईवे के एक फ्लाईओवर पर जिस तरह से प्रधानमंत्री का काफिला रूका था उस पर सहसा विश्वास करना कठिन है। पंजाब पुलिस का कहना है कि सुबह रिहर्सल किया गया था और 9 बजे तक सब कुछ ठीक था लेकिन अचानक लोग विरोध के लिए आने लगे। यह संभव नहीं कि विरोध करने वाले अचानक आ गए होंगे। जितनी संख्या में लोग थे और जिस तरह रास्ता जाम किये हुए थे उससे लगता था कि उनकी तैयारी पहले की थी। जाहिर है , पुलिस को इसका पता नहीं चला तो यह बड़ी खुफिया और सुरक्षा चूक है। अगर पता रहते हुए नजरअंदाज किया गया तो यह अपराध है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी कह रहे हैं कि हम अपने प्रधानमंत्री से बहुत प्यार करते हैं किंतु साथ–साथ उनका यह भी कहना है कि हम पंजाब के लोगों पर लाठियां – गोलियां नहीं चला सकते। इसके क्या मायने हैं?

पंजाब सुरक्षा की दृष्टि से कितना जोखिम भरा प्रदेश है यह बताने की आवश्यकता नहीं। 600 किलोमीटर सीमा क्षेत्र पूरी तरह संवेदनशील है। जहां प्रधानमंत्री का काफिला रुका वह भारत पाक सीमा से लगभग 30 किलोमीटर दूर है। यहां लगातार टिफिन बम और विस्फोटक मिलते रहे हैं। पठानकोट और लुधियाना में हुए बम विस्फोटों के बाद पूरा पंजाब आतंकवादी खतरे को लेकर हाई अलर्ट पर है। पांच महीने में पंजाब में छह विस्फोट हो चुके । 8 अगस्त 2021 को अमृतसर के अजनाला में तेल टैंकर विस्फोट हुआ। 7 नवंबर 2021 को नवांशहर के सीआईए दफ्तर में धमाका हुआ । 5 सितंबर 2021 को फिरोजपुर में टिफिन बम धमाका हुआ। 21 नवंबर 2021 को पठानकोट में मिलिट्री कंटोनमेंट के द्वार पर धमाका हुआ। 15 सितंबर 2021 को जलालाबाद में मोटरसाइकिल में विस्फोट हुआ तो 23 दिसंबर 2021 को लुधियाना न्यायालय परिसर में बम विस्फोट हुआ। जलालाबाद में विस्फोट के आरोप में गिरफ्तार गुरमुख सिंह रोड इसी क्षेत्र में पड़ने वाले मोगा जिले के रोडे गांव का रहने वाला है। गुरमुख ने पूछताछ में स्वीकार किया था कि उसने टिफिन बम

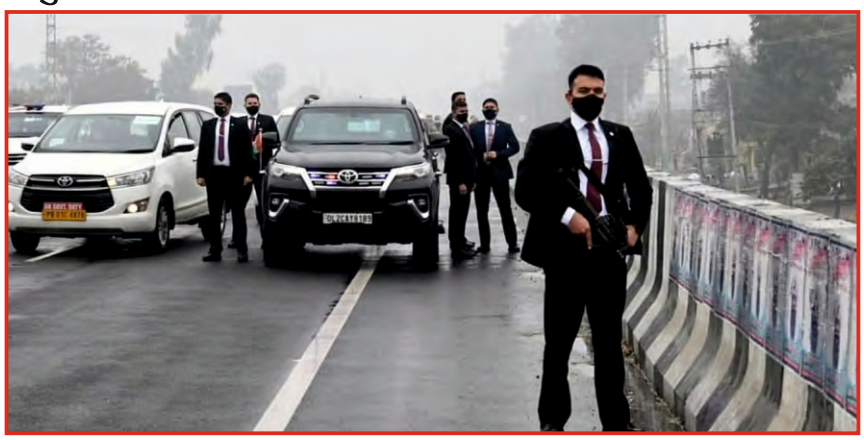

की डिलीवरी फिरोजपुर क्षेत्र में भी की है। ध्यान रखिए ,यह जरनैल सिंह भिंडरावाले का जन्म स्थान है। भिंडरावाले का भतीजा लखबीर सिंह रोड पाकिस्तान में रहकर खालिस्तान के लिए हिंसा फैलाने की साजिश में लगा है वह भी इसी क्षेत्र का है। इसलिए सुरक्षा में चूक चिंता का कारण होना चाहिए। इस प्रश्न का भी उत्तर मिलना चाहिए की विरोध करने वालों के प्रधानमंत्री के वहां सड़क मार्ग से गुजरने की जानकारी कैसे मिली? कार्यक्रम के अनुसार उन्हें हवाई मार्ग से जाना था और अंतिम समय में सड़क मार्ग का निर्णय हुआ तो इसकी जानकारी वहां तक कैसे पहुंची? पंजाब सरकार और कांग्रेसी इसे राजनीतिक विवाद का विषय बनाने की बजाय पूरी समीक्षा करें। आत्मसमीक्षा भी करे। यह कहना कि रैली में लोग नहीं आने वाले थे इसलिए उन्होंने रद्द कर दिया आसानी से गले नहीं उतरता। प्रधानमंत्री को पहले से पता तो था नहीं कि यह हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाएगा, उन्हें सड़क मार्ग से जाना पड़ेगा, वहां विरोध पैदा होगा और उसके आधार पर वे रैली रद्द कर देंगे। फिरोजपुर में भाजपा पहले से मजबूत है । यहां विधानसभा में वह दो – तीन सीटें जीती रही है । फिरोजपुर शहरी, अबोहर एवं फाजिल्का में भाजपा बहुत बड़ी ताकत है । यही नहीं फिरोजपुर के गुरुहरसहाय से वर्तमान विधायक राणा गुरमीत सोढ़ी कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो चुके हैं। इस जिले के एक प्रभावी अकाली नेता गुरतेज सिंह घुड़ियाना भी भाजपा में जा चुके हैं। इन दोनों के समर्थक भी काफी संख्या में भाजपा में गए हैं। इसलिए केवल 700 संख्या फिरोजपुर रैली में आने से हास्यास्पद बात कुछ नहीं हो सकती। हां ,कई ऐसे वीडियो दिखाई दे रहे हैं जहां रैली में जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं के बसों को रोका जा रहा है, पुलिस की लाठियां चलते देखी गई ,कुछ जगह कृषि कानूनों के नाम पर विरोध भी देखा गया। तरनतारन के एक गांव सरहाली के पास करीब दो दर्जन बसों का काफिला रोका गया। यहां कृषि कानून के नाम पर रोकने वाले एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में बहस होती दिख रही है। पुलिस ढंग से कार्रवाई करती नहीं दिख रही है। स्वयं पुलिस द्वारा भी कई जगह रैलियों में जाते लोगों को यह कह कर रोकते देखा गया कि आगे किसान विरोध कर रहे हैं मत जाओ। कई जगह पुलिस ने इन पर लाठीचार्ज भी किया। यह बताता है कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए रैली में जाने के रास्ते को सुगम बनाने की कोई कोशिश नहीं थी। कैप्टन अमरिंदर सिंह के भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस वहां ज्यादा आक्रामक है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी तथा कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को शांति से विचार करना चाहिए कि क्या वह टकराव की राजनीति से चुनाव में उतरना चाहती है? इस तरह की राजनीति पंजाब के लिए ज्यादा खतरनाक होगी।

कृषि कानून के विरोध करने वाले संगठनों और नेताओं को भी जवाब देना होगा कि आखिर अब उनके पास भाजपा के विरुद्ध आक्रामक होकर मोर्चाबंदी करने के लिए कौन सा मुद्दा है? बिजली शुल्क से लेकर पराली तक का मामला भी सरकार हल कर चुकी है। इससे इस आरोप की पुष्टि होती है कि कृषि कानून विरोध के नाम पर आंदोलन में ऐसे तत्व शामिल थे जिनका इरादा कुछ और था। ये तत्व किसी न किसी तरह गलतफहमी फैलाकर टकराव की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। किसी भी तर्क की कसौटी पर प्रधानमंत्री के रास्ते को आक्रामक तरीके से बाधित करने का कोई कारण नजर नहीं आता। उन संगठनों के द्वारा भाजपा के लोगों को रैली में जाने से रोकने का क्या मतलब है? आम राजनीति में राजनीतिक दलों के बीच भी इस तरह का व्यवहार मान्य नहीं है। पंजाब में इस तरह टकराव की स्थिति पैदा करने वालों के पहचान जरूरी है।

–ई 30, गणेश नगर, पांडव नगर कंपलेक्स ,दिल्ली–110092
मोबाइल–9811027208

336वां वेबिनारः लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

लाल बहादुर शास्त्री सादगी व वीरता की मिसाल थे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

प्रकृति प्रेमी है हमारी संस्कृति –योगाचार्य श्रुति सेतिया

मंगलवार,11 जनवरी 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि 11 जनवरी 1966 को ताशकन्द में उनकी रहस्यमय मृत्यु हो गई थी जिसकी पहेली आज तक अनसुलझी है साथ ही योगाचार्य श्रुति सेतिया ने ष्प्रकृति प्रेमी है हमारी संस्कृतिष पर विचार रखे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री भारत माता के अनमोल रत्न थे,वह सादगी व सरलता की एक मिसाल थे । एक निर्धन परिवार में जन्म लेकर प्रधानमंत्री तक की यात्रा उनके संघर्ष व महान संकल्प की कहानी है, उन्होंने ही ष्जय जवान–जय किसानष का नारा दे कर एक समय अन्न त्याग करने का आह्वान किया था जिससे बाहर से अन्न न मंगवाना पड़े । वह एक स्वाभिमानी व्यक्ति थे ऐसा व्यक्ति मिलना बहुत कठिन है आज के राजनेताओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके अंदर साहस व निर्भीकता कूट कूट कर भरी हुई थी । स्वतंत्रता संग्राम में भी वह 9 वर्ष तक जेल में रहे। योगाचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि हमारी संस्कृति पर्यावरण के संरक्षण की है । ष्प्रकृति का आशीष,संस्कृति का भाल, गर ये नहीं तो अस्तित्व का सवाल। पृथ्वी सदियों से मानव जाति को आश्चर्य प्रदान करती आ रही है ।मानव जीवन के अस्तित्व के लिए धरती ने हवा, पानी ,खाद्य सामग्री आदि अनेकों उपहार दिए हैं। पेड़–पौधों ने धरती को हरा–भरा बना कर प्राणी जगत को जीवंत कर दिया, लेकिन कटु सत्य है कि दुनिया भर के साधन– समर्थ लोग प्राकृतिक संसाधनों का बहुत दोहन करते हैं। हमारे प्राचीन काल के ऋषि मुनि तथा विचारकों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति गहरी रुचि प्रदर्शित की । कहा गया 10 कुँए एक तालाब के बराबर हैं ,10 तालाब एक झील के बराबर है, 10 झील एक पुत्र के बराबर है । पर्यावरण के आधार पर वृक्ष– पौधों की रक्षा का संस्कार धर्म के माध्यम से भी यहां रचा बसा है। यह भारत ही है जिसने सबसे पहले पूरी दुनिया को यह दर्शन दिया था कि पेड़ पौधों में भी जान होती है। अलग–अलग वृक्ष लगाने से व्यक्तियों को अनेक पुण्य प्राप्त होते हैं । भगवान बुद्ध के जीवन के सभी घटनाएं वृक्षों की छाया में घटी। इतिहास साक्षी है कि सिखों के गुरुओं के प्रिय वृक्ष रीठा साहब, दुख भंजनी, मेहताब सिंह की बेरी के वृक्ष आज भी इतिहास की याद दिलाते हैं। हमारी पहचान हमारी माटी, हमारे गांव से ह । सचमुच बहुत अद्भुत है हमारी संस्कृति हमारा परिवेश। पूर्णमदह पूर्णमीदमष अर्थात हम प्रकृति से उतना ही ग्रहण करें जितना हमारे लिए आवश्यक हो तथा प्रकृति की पूर्णता को क्षति न पहुंचे। दुनिया की एकमात्र संस्कृति जो शांति पाठ के माध्यम से उद्घोष करती है ,ओम शांति अंतरिक्षम शांति पृथ्वी । ध्यान रहे शांति मिलेगी तो केवल प्राकृतिक संरक्षण से ही क्योंकि उसी में हमारा संरक्षण है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री विमला आहुजा व अध्यक्ष रजनी चुघ ने शास्त्री जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रकृति के संरक्षण पर जोर दिया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि विश्व हिन्दी दिवस भारत के गौरव को बढ़ाता है,हमें अपने जीवन में हिंदी को आत्मसात करना चाहिए। गायिका प्रवीना ठक्कर, रजनी गर्ग,दीप्ति सपरा,प्रतिभा सपरा,मर्दुल अग्रवाल, सुनीता अरोड़ा,अनुश्री,किरण सहगल, प्रतिभा कटारिया, रविन्द्र गुप्ता, ऊषा आहुजा, कुसुम भंड़ारी आदि ने मधुर भजन प्रस्तुत किये।

335वीं जयंती पर गुरु गोबिंद सिंह जी को किया नमन

गुरु गोबिन्द सिंह जी ने देश व धर्म की रक्षा के लिये सर्वस्व होम कर दिया –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शिक्षाविद प्रवीन भाटिया सुरीले गायक थे –कैप्टन अशोक गुलाटी

शनिवार 8 जनवरी 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में दशम सिख गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया, साथ ही शिक्षाविद आर्य गायक प्रवीन भाटिया को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह परिषद का कोरोना काल मे 335 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने हिन्दू धर्म रक्षक गुरु गोविंद सिंह जी की 355 वीं जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी एक महान स्वतंत्रता सेनानी रहे साथ ही उन्हें कविताओ में भी रूचि थी। इनके त्याग, बलिदान व वीरता से ही मुगल अत्याचारों का मुकाबला हो सका और हिंदुओ की रक्षा हो सकी। यह दिन गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के रुप में मनाया जाता है। उनके लिए शब्द प्रयोग किया जाता है की 'सवा लाख से एक लड़ांऊ' उनके अनुसार शक्ति और वीरता के संदर्भ में उनका एक सिख सवा लाख लोगों के बराबर है। वीर योद्धा गोबिंद सिंह जी का बलिदान सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा उन्होंने अपने परिवार को भी बलिदान कर दिया पर इस्लाम स्वीकार नहीं किया। आर्य नेता कैप्टन अशोक गुलाटी (उपप्रधान,आर्य समाज सेक्टर 33,नोएडा) ने कहा कि आर्य समाज सेवी प्रवीन भाटिया शिक्षा विद व मधुर गायक थे,उनके अचानक 55 वर्ष की आयु में निधन से अपार क्षति हुई है । वह दयानन्द मॉडल स्कूल विवेक विहार दिल्ली के प्रबंधक थे उनकी युवा उत्थान में वे समाजसेवा में गहरी रुचि थी। कवियित्री रीता जयहिंद ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह ने ही खालसा पंथ की स्थापना कर सिखों को पंच ककार दिये ।वे साहस और शौर्य के प्रतीक होने के साथ ही विद्वानों के भी संरक्षक थे ।यही कारण है कि उन्हें संत सिपाही भी कहा जाता था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना चाहिए। गायिका दीप्ति सपरा,नरेन्द्र आर्य सुमन,नरेश खन्ना, रजनी गर्ग,प्रवीन आर्या पिंकी,रविन्द्र गुप्ता,सुदेश आर्या,उषा आहुजा, रजनी चुघ,नताशा कुमार(बैंगलोर), आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से सीमा भाटिया, कविता भाटिया, ऋचा मल्होत्रा,आचार्य महेन्द्र भाई,वीना आर्या,उर्मिला आर्या,देवेन्द्र गुप्ता,डॉ रचना चावला,राजेश मेहंदीरत्ता,सुरेंद्र शास्त्री,आस्था आर्या आदि उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

इन सावधानियों से कोरोना से बचाव हो सकता है। मनोरंजन के लिए संगीत सुने व डांस करे, इम्युनिटी के लिए योग प्राणायाम करें अपने आप को खुश रखें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि परिषद 334 वेबिनार कर चुकी है इस तकनीक का देश विदेश के लोगो ने लाभ उठाया है। दूर दराज के लोग ऑनलाइन जुड़े हैं और हर विषय पर योगाचार्य, चिकित्सक,विद्वान,संगीतकार आदि ने ज्ञान वर्धन किया है ।लोगों की प्रतिभा निखर कर बाहर आयी है। मुख्य अतिथि डॉ.(कर्नल) विपिन खेड़ा व अध्यक्ष डॉ. अमित पाहुजा ने भी इलाज से सावधानी आवश्यक है पर प्रकाश डाला व कोरोना नियमो का पालन करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने करो योग रहो निरोग पर बल दिया। गायिका प्रवीना ठक्कर, उर्मिला आर्या,रचना वर्मा, विजय खुल्लर, सुनीता अरोड़ा,रजनी गर्ग,रजनी चुघ,ईश्वर देवी,विजय लक्ष्मी आर्या,सुषमा गोगलानी, प्रतिभा कटारिया,नरेन्द्र आर्य सुमन,रविन्द्र गुप्ता,मधु खेड़ा आदि के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से आचार्य महेन्द्र भाई,आनन्द प्रकाश आर्य,अशोक गुगलानी,कृष्णा पाहुजा,जनक अरोड़ा,आस्था आर्या,शशि सिंघल आदि उपस्थित थे।

विश्व हिन्दी दिवस पर गोष्ठी सम्पन्न

हिन्दी विश्व को जोड़ने का संगठन मंत्र है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
हिन्दी को जीवन मे अपनाने की आवश्यकता है –नरेन्द्र आहुजा विवेक

सोमवार 10 जनवरी 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। सभी ने हिन्दी को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हिन्दी में पूरे विश्व को जोड़ने की शक्ति है आवश्यकता है ईमानदारी के साथ कार्य करने की । आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने गुजराती होते हुए भी हिंदी में बोला व लिखा क्योंकि उन्होंने हिंदी के महत्व को समझा था यही वह भाषा है जो राष्ट्र को जोड़ सकती है । आज के आधुनिक युग में दूरियां बहुत कम हो गई है सभी के हित एक दूसरे को प्रभावित करते हैं इसलिए भाषा का महत्व और अधिक बढ़ गया है संवाद ही सबको जोड़ता है । हिन्दी केवल भाषा ही नहीं है अपितु संगठन सूत्र का मंत्र है जो भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीयता का प्रचारक व प्रसारक है। योग दिवस की तरह हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ाने का कार्य सब हिंदी प्रेमियों को मिलकर करना है । उल्लेखनीय है कि 10 जनवरी 2006 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी ने विश्व हिन्दी दिवस मनाने की घोषणा की थी। साहित्यकार व लेखक नरेन्द्र आहुजा विवेक (चंडीगढ) ने कहा कि 10 जनवरी 1975 को नागपुर में पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें 132 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे, आज हमें हिंदी को आत्म सात यानी कि व्यवहारिक रूप से अपनाने की आवश्यकता है फिर इसकी सुगंध को बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि हिंदी के विकास में हिंदी सिनेमा का अहम योगदान है जिससे हर व्यक्ति तक हिंदी सरलता से पहुँची है । पूर्व मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ओम सपरा ने कहा कि हिंदी साहित्य को खरीदना व पढ़ना इसके विकास में सहायक रहेंगे।

आर्ष कन्या गुरुकुल सोरखा, नोएडा का वार्षिकोत्सव सौल्लास सम्पन्न

शहीद देश के गौरव है –आनन्द चौहान
क्रांतिकारियों के सिरमौर थे रामप्रसाद बिस्मिल –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार,19 दिसम्बर 2021, आर्ष कन्या गुरुकुल वेद धाम सोरखा एवं श्री कृष्ण गौशाला के भव्य वार्षिक उत्सव पर आचार्य डॉ.जयेन्द्र कुमार के ब्रह्मत्व में महायज्ञ संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा के निर्माण से राष्ट्र की नींव मजबूत होती है ततपश्चात अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल का 94 वां बलिदान दिवस समारोह मनाया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि क्रांतिकारियों के सिरमौर थे पंडित रामप्रसाद बिस्मिल। बिस्मिल से प्रेरणा पाकर अनेक नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।उनके घनिष्ठ मित्र अशफाक उल्ला खां भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश से प्रेरणा लेकर महर्षि दयानन्द के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया था और अनेकों युवा साथियों को लेकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।देश की आजादी की लड़ाई को मजबूत करने के लिए हत्यारों और धन की आवश्यकता थी जिसे पूरा करने के लिए प्रसिद्ध काकोरी काण्ड को अंजाम दिया। देश के युवाओं के लिये उनका जीवन सदियों तक प्रकाश देता रहेगा।आज इतिहास को ठीक कर क्रांतिकारियों को सही सम्मान देने की आवश्यकता है, जिससे आने वाली पीढ़ी प्रेरणा ग्रहण कर सके। आर्य समाज नोएडा कि मंत्री श्रीमती गायत्री मीणा ने कहा कि अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल समस्त क्रांतिकारियों के गुरु थे व देश की आजादी के लिए संघर्षरत्त गर्म दल के क्रांति के जनक थे। शाहजहांपुर की उर्वरा धरती में महान क्रांतिकारी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म हुआ।आर्य समाज शाहजहांपुर के सत्संग में स्वामी सोमदेव जी के प्रवचनों को सुनके बालक बिस्मिल के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा।उनसे प्रभावित होकर पंडित बिस्मिल ने सत्यार्थ प्रकाश पढा, जिसको पढ़ कर बिस्मिल का सम्पूर्ण जीवन बदल गया।नशे जैसी दुष्प्रवृत्ति में जकड़े नौजवानों ने सब बुराइयों को छोड़कर अपने जीवन को संयम तथा सदाचार के मार्ग पर लगा दिया। महर्षि दयानन्द को अपना गुरु मानकर देश को आज़ाद कराने का संकल्प लिया तथा सम्पूर्ण जीवन देश को आजाद कराने में लगा दिया तथा देश की आजादी की लड़ाई लड़ते लड़ते फाँसी के फंदे को चूम लिया।उन्होंने फांसी के फंदे को चूमते हुए कहा था ष्मैं ब्रिटिश साम्राज्य का पतन चाहता हूंष उन्होंने कहा कि ष्जो फांसी पर चढ़े खेल में उनको याद करे,जो वर्षों तक सड़े जेल में उनको याद करेष । उन्होंने बिस्मिल के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री आनन्द चौहान (निदेशक एमिटी विश्वविद्यालय)ने कहा कि शहीद देश की अमानत है,समय समय पर उनको याद करके हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर नयी उर्जा का संचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिस्मिल पहले क्रांतिकारी थे जिनका वजन फांसी वाले दिन बढ़ गया था। राष्ट्रीय कवि श्री हरिओम पंवार काव्यत्री सुश्री समीक्षा सिंह एवं श्रीमती नमिता नमन ने देश भक्ति से ओतप्रोत रचनाओं से समा बांध दिया केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा की राम प्रसाद बिस्मिल को वैदिक धर्म को जानने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सर्व श्री रचना आहूजा, उर्मिल आर्या ,जितेंद्र आर्य ,अनिल कपूर ,अजय चाटली, शशांक अग्रवाल ,विपिन अग्रवाल, पुष्प दहिया ,सुधीर मिड्ढा ,राज सरदाना ,कौशल्या देवी, अदिति चंद्र ,गौरव मित्तल, अनुज अग्रवाल ,संजय गर्ग ,संगीता आर्या,पुष्पा चुघ आदि को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प.करण सिंह सिंह शास्त्री ने कहा कि बिस्मिल बहुत अच्छे शायर थे, उनका लिखा गीत ष्सरफरोशी की तमन्नाष हर व्यक्ति की जुबान से गाया जाता है।बिस्मिल ने फांसी से तीन दिन पहले जेल में अपनी आत्म कथा लिखी थी जो हर नोजवान को पढ़नी चाहिए। गुरुकुल की ब्रह्मचारिणीयों द्वारा स्वागत गान व देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए गए। सुप्रसिद्ध गायिका संगीता आर्या, पुष्पा चुग, आचार्य प्रगति आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से यज मुनि, जितेंद्र आर्य ,सतीश ग्रोवर,सीमा आर्य ,नीरज शास्त्री ,दीपक शास्त्री, नितिन आर्य, नैवेद्य शर्मा, उपदेश भारद्वाज ,संदीप त्यागी नरेंद्र शास्त्री आदि उपस्थित रहे

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970